विद्या - भवन बालिका विद्यापीठ , लखीसराय

वर्ग - द्वितीय दिनांक :- 14/05/2021

विषय - सह - शैक्षणिक गतिविधि

एनसीईआरटी पर आधारित

लोमड़ी और कौआ

एक दिन एक भूखा लोमड़ी भोजन खोज रही थी। उसने खोजा और सब जगह खोजा, लेकिन उसे खाने के लिए कुछ नहीं मिला!

फिर उसने एक कौवा देखा, जो उसकी चोंच में पनीर का एक महीन टुकड़ा लेकर उड़ रहा था! "वह चीज मेरे लिए है" लोमड़ी ने कहा और वह कौवा का पीछा करने लगी।

कौआ एक शाखा पर बैठ गया, और पनीर खाने वाला था, जब लोमड़ी नीचे से चिल्लायी। "शुभ दिन मालकिन क्रो" कौआ हैरान था, और लोमड़ी को देखा।

चालाक लोमड़ी ने कौवे से कहा "आज आप कितने अच्छे दिख रहे हैं!" "आपके पंख कितने अच्छे हैं" "आपकी आंख कितनी चमकीली है!"

"क्या उत्तम सौंदर्य" लोमड़ी को माफ कर दिया! तब लोमड़ी ने कहा,

“कृपया मुझे अपनी आवाज सुनने दो, जो मुझे यकीन है कि सभी दूसरों को पार कर लेंगे ” “फिर मैं आपको पक्षियों की रानी घोषित करूंगा”

कौवा वास्तव में तारीफ से खुश था, और मूर्ख कौवा यह भी सोचा कि उसकी आवाज सुंदर थी! कौआ ने सिर उठा लिया, और उसे अपना सर्वश्रेष्ठ देना शुरू कर दिया!

लेकिन जिस पल उसने अपना मुँह खोला, पनीर नीचे गिर गया, और यह लोमड़ी द्वारा तड़क गया था! तब लोमड़ी ने कहा, “तुम मूर्ख हो कौवा,

आपको कभी भी चापलूसी पर भरोसा नहीं करना चाहिए! हा हा .. हा हा ।। कौवे को अपनी गलती का एहसास हुआ, और लोमड़ी फिर चली!

****

ज्योति

****

ज्योति